

क्र.सं.	मुहावरे	अर्थ
1	आँख खुलना	भ्रम दूर होना
2	आँख का काजल बनाकर रखना	अत्यंत प्रिय बनाकर करीब रखना
3	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	अपनी तारीफ खुद करना
4	आँख रखना	निगरानी रखना
5	अपनी खिचड़ी अलग पकाना या अढ़ाई चावल अलग पकाना	अन्य लोगों या समाज से अलग होकर चलना
6	अपना उल्लू सीधा करना	अपने स्वार्थ की सोचते रहना
7	अंधे के आगे रोना अपना दीदा खोना	निरर्थक प्रयास करना

8	अन्न-जल उठाना	निवास छूटना, मरना
9	अगर-मगर करना	बहाने बनाना, हुज्जत करना
10	अक्ल का अंधा	मूर्ख
11	अंधों में काना राजा	मूर्खों के बीच कुछ योग्य व्यक्ति
12	अंधे के हाथ बटेर लगना	अयोग्य के हाथ अनायास अच्छी वस्तु का लगना
13	अंधेरे में तीर चलाना	दिशाविहीन प्रयास करना
14	अंधे के आगे रोना	व्यर्थ प्रयत्न करना
15	अंधे की लाठी (लकड़ी)	एकमात्र सहारा

16	अंडा सेना	खाली बैठे रहना
17	अंजर-मंजर ढीला होना	शिथिल या लस्त हो जाना
18	अँगूठा दिखाना	समय पर धोखा देना
19	अंगारों पर लोटना	रोष या क्रोध करना, ईर्ष्या या डाह करना, बहुत कष्ट सहना
20	अंगारों पर पैर रखना	अपने को खतरे में डालना, जानबूझकर हानिकारक कार्य करना
21	अंग-अंग फूले न समाना	बहुत आनंदित होना
22	अँगूठा नचाना	चिढ़ाना

23	उड़ती चिड़ियाँ पहचानना	मन की बात समझ लेना
24	उँगली पकड़ते ही पहुँचा पकड़ना	थोड़ा-सा सहारा पाकर और अधिक पाने का प्रयास करना
25	ईद का चाँद होना	बहुत दिनों के बाद दिखना
26	ईंट से ईंट बजाना	युद्धात्मक विनाश लाना
27	ईंट का जवाब पत्थर से देना	कड़ा प्रतिकार करना
28	इशारे पर नचाना	संकेत पाते ही आज्ञा का पालन करना
29	आठ-आठ आँसू रोना	बहुत पश्चाताप करना
30	आसमान टूट पड़ना	सहसा विपत्ति आ जाना

31	आसमान पर दिमाग होना	अधिक घमण्ड करना
32	आसमान सिर पर उठाना	उत्पात मचाना, उपद्रव करना
33	आटे-दाल का भाव मालूम होना	दुनियादारी का बोध होना, हकीकत से रूबरू होना
34	आग बबूला होना	अत्यंत क्रोधित होना
35	आकाश-पाताल एक करना	बहुत परिश्रम करना
36	आँसू पीकर रह जाना	भीतर ही भीतर कुढ़ना/कुंठित होकर रह जाना
37	आँख लाल-पीली करना	अत्यधिक क्रोधित होना
38	आँख में धूल झोंकना	धोखा देना

39	आँखों का पानी मरना	बेशर्मी लादना
40	आँख का काँटा होना	खटकना, शत्रु होना
41	आँखें फाड़कर देखना	गौर से देखना/आश्चर्य से देखना
42	आँख दिखाना	क्रोध करना, धमकाना
43	आँखें पथरा जाना	गहरे शोक में होना, बहुत इंतजार करना
44	आँखें चार होना	परस्पर देखना, आकर्षित होना
45	किताबी कीड़ा होना	व्यावहारिक दुनिया से परे केवल किताबी पढ़ाई में व्यस्त होना
46	कालिख पोतना	बदनामी करना
47	कान में तेल डाले बैठना	अनसुनी करना

48	कान का कच्चा होना	बिना सोचे सहज ही किसी के कहने पर विश्वास कर लेना
49	कमर कसना	पूरी तरह तैयार या उद्यत होना
50	कान भरना	शिकायत करना
51	कान पर जूँ न रेंगना	अनसुनी करना, ध्यान न देना
52	काठ का उल्लू	बड़ा मूर्ख
53	कागजी घोड़े दौड़ाना	केवल लिखा-पढ़ी करना
54	कल्पना के घोड़े दौड़ाना	निरर्थक बातें करना
55	कलेजा/छाती पर साँप लोटना	डाह करना, कुढ़ना
56	कलई खुलना	भेद प्रकट होना

57	कच्चा चिट्ठा खोलना	चरित्र का असली रूप देखना, भेद प्रकट करना
58	ओखली में सिर देना	जान-बूझकर अपने को जोखिम में डालना
59	एड़ी-चोटी का जोर लगाना	कठिन परिश्रम करना
60	एक लाठी से सबको हाँकना	सबको एक जैसा समझना
61	एक आँख से देखना	समान भाव से देखना
62	एक ही थाली के चट्टे-बट्टे	एक ही प्रकृति के व्यक्ति
63	उँगली उठाना	बदनामी करना, लांछित करना
64	उलटे छुरे से मूँड़ना	बेवकूफ बनाकर काम निकालना

65	उलटे बाँस बोली को	विपरीत दिशा में जाना या उलटा कार्य होना
66	आग लगने पर कुआँ खोदना	पहले से ही कोई उपाय न करना
67	घुटने टेक देना	पराजय मान लेना
68	दाल न गलना	कोई चाल काम न आना
69	गूलर का फूल होना	दिखाई न पड़ना
70	छठी का दूध याद आना/दिलाना	बहुत परेशान होना/करना
71	गुड़ गोबर कर देना/गुड़ गोबर होना	अच्छा काम बिगड़ जाना
72	चाँद पर थूकना	अच्छे आदमी पर कलंक लगाना
73	गिरगिट की तरह रंग बदलना	विचारों में जल्दी-जल्दी परिवर्तन लाना

74	चूड़ियाँ पहनना	कायर होना
75	गड़े मुर्दे उखाड़ना	पुराने झगड़े की बात फिर उठाना
76	चुल्लू भर पानी में डूब मरना	अत्यधिक लज्जित होना
77	खाला का घर	सहज काम, अपना घर, जहाँ मनमानी चले
78	चिकना घड़ा होना	निर्लज्ज होना
79	खून के घूँट पीना	बुरी लगने वाली बात को भी सह लेना
80	चिराग तले अँधेरा होना	निकट का दोष न दिखाई पड़ना
81	खयाली पुलाव पकाना	व्यर्थ कल्पना की उड़ान भरना
82	चाँदी का जूता मारना	रूपये-पैसे का लालच देना

83	कोल्हू का बैल होना	नासमझ, परन्तु परिश्रमी
84	घड़ों पानी पड़ जाना	अत्यंत शर्मिन्दा होना
85	कीचड़ उछालना	निंदा करना
86	घोड़े बेचकर सो जाना	बेफिक्र होकर सोना
87	कलेजे पर पत्थर रखना	मुश्किल में धीरज रखना
88	घाट-घाट का पानी पीना	घूम-फिरकर अनुभव प्राप्त करना
89	तख्त उलटना/पलटना	बना काम बिगाड़ देना, अपदस्थ होना
90	तिल का ताड़ करना या बनाना	बात को तूल देना
91	डूबते को तिनके का सहारा	संकट या दुःख के समय थोड़ी मदद करना

92	दाँत खट्टे करना	बुरी तरह से हरा देना
93	पाँचों अंगुलियाँ घी में होना	चारों ओर से लाभ होना
94	जलती आग में घी डालना	मामले को और अधिक तूल देना
95	नाको चने चबाना	तंग करना
96	जमीन पर पैर न पड़ना	बहुत घमण्ड या अभिमान होना
97	न तीन में न तेरह में	किसी तरफ नहीं
98	जहर उगलना	कड़वी बातें कहना
99	दूसरे के कंधे पर रखकर बंदूक चलाना	दूसरे के सहारे काम निकालना

100	जीती मक्खी निगलना	जान-बूझकर हानिकारक कार्य करना
101	दिन दूनी रात चौगुनी होना	बहुत शीघ्र उन्नति करना
102	जहर का घूँट पीना	किसी अनुचित बात पर भी क्रोध को मन ही मन दबा जाना
103	दाल में कुछ काला होना	शक-संदेह की आशंका

मुहावरों



1. अँगूठा दिखाना – वक्त पर साफ़ मना कर देना
2. अंगारे उगलना – अत्यधिक क्रोध में कटु या कड़वे वचन बोलना
3. अंधा होना – विवेक खो देना या भले-बुरे का ज्ञान न रहना
4. अंधे की लाठी होना – एकमात्र सहारा होना
5. अक्ल का अंधा होना – पूरी तरह मूर्ख होना
6. अक्ल के पीछे लट्टु लिए फिरना – मूर्खतापूर्ण काम करना

7. अक्ल चरने जाना – बुद्धि का समय पर काम न करना
8. अपने मुँह मियाँ मिट्टू बनना – अपनी प्रशंसा स्वयं करना
9. अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना – अपना नुकसान स्वयं करना
10. अपने पैरों पर खड़ा होना – आत्मनिर्भर होना
11. आँख का तारा होना – अत्यधिक प्रिय होना
12. आँखें खुलना – होश आना या वास्तविकता का ज्ञान होना

- 13. आँखें चुराना** – कतराना या सामने आने से बचना
- 14. आँखें बिछाना** – अत्यधिक प्रेम से स्वागत या प्रतीक्षा करना
- 15. आँखें फेर लेना** – प्रतिकूल हो जाना या पहले जैसा व्यवहार न रखना
- 16. आँखों में धूल झोंकना** – धोखा देना
- 17. आँच न आने देना** – ज़रा सा भी कष्ट या नुकसान न होने देना
- 18. आँसू पीकर रह जाना** – दुःख या भीतर के रौने को ज़बरदस्ती दबा लेना

19. आकाश-पाताल एक करना – अत्यधिक कठिन परिश्रम करना

20. आकाश के तारे तोड़ना – असंभव कार्य को करने का प्रयास करना

21. आग बबूला होना – अत्यधिक क्रोधित होना

22. आग में घी डालना – क्रोध या झगड़े को और अधिक भड़काना

23. आनाकानी करना – टालमटोल करना या मना करने का बहाना खोजना

24. आपे से बाहर होना – अपने वश में न रहना या अत्यधिक क्रोधित होना

25. आसमान पर चढ़ाना — अत्यधिक प्रशंसा करके घमंडी बना देना

26. आसमान सिर पर उठाना — बहुत अधिक उपद्रव या शोर मचाना

27. ईंट का जवाब पत्थर से देना — दुष्ट के साथ कड़ा व्यवहार करना या करारा जवाब देना

28. ईंट से ईंट बजाना — पूरी तरह से नष्ट-भ्रष्ट कर देना

29. ईद का चाँद होना — बहुत दिनों बाद दिखाई देना

30. उँगली पर नचाना — अपनी इच्छा के अनुसार वश में रखना या चलाना

- 31. उँगली उठाना** – किसी पर दोष लगाना या कलंकित करना
- 32. उड़ती चिड़िया पहचानना** – मन की बात को दूर से ही ताड़ लेना
- 33. उन्नीस-बीस का अंतर होना** – बहुत ही मामूली या बहुत कम अंतर होना
- 34. उल्लू सीधा करना** – अपना स्वार्थ सिद्ध करना या अपना काम निकालना
- 35. ऊँट की चोरी निहुरे-निहुरे** – किसी बड़े या प्रकट होने वाले काम को छिपाकर करने की कोशिश करना

36. एक आँख से देखना — सबके साथ समान व्यवहार करना

37. एक और एक ग्यारह होना — संगठन में बहुत बड़ी शक्ति होना

38. एक लाठी से सबको हांकना — अच्छे-बुरे का अंतर किए बिना सबके साथ एक जैसा व्यवहार करना

39. एड़ी-चोटी का जोर लगाना — पूरा प्रयास या कठिन परिश्रम करना

40. ओखली में सिर देना — जान-बूझकर मुसीबत मोल लेना

- 41. ओस के मोती होना** – बहुत ही क्षणभंगुर या जल्दी नष्ट होने वाली वस्तु
- 42. कलेजा ठंडा होना** – संतोष होना या मन को शांति मिलना
- 43. कलेजे पर सांप लोटना** – ईर्ष्या या डाह से बुरी तरह जलना
- 44. काटो तो खून नहीं** – अत्यधिक भयभीत या स्तब्ध रह जाना
- 45. कान कतरना** – चालाकी या चतुराई में बहुत आगे निकल जाना
- 46. कान का कच्चा होना** – किसी भी बात पर बिना सोचे-समझे तुरंत विश्वास कर लेना

47. कान भरना – पीठ पीछे किसी की शिकायत या चुगली करना

48. कान पर जूँ न रेंगना – बात का ज़रा सा भी असर न होना या बिल्कुल परवाह न करना

49. काया पलट जाना – पूरी तरह से रूप या स्थिति का बदल जाना

50. कीचड़ उछालना – किसी को बदनाम करना या चरित्र पर लांछन लगाना

51. खटाई में पड़ना – काम का अनिश्चित हो जाना या रुक जाना

52. खरी-खोटी सुनाना – साफ़-साफ़ कड़वी बातें कहना या डांटना

53. खाक छानना – दर-दर भटकना या व्यर्थ का परिश्रम करना
54. खिचड़ी पकाना – गुप्त रूप से कोई योजना या षड्यंत्र रचना
55. खिल्ली उड़ाना – उपहास या मज़ाक उड़ाना
56. खून का घूंट पीना – भीतर ही भीतर गुस्सा दबाकर शांत रह जाना
57. खून पसीना एक करना – बहुत अधिक कठिन परिश्रम करना
58. खेत रहना – युद्ध में वीरगति को प्राप्त होना (शहीद होना)

59. गंगा नहाना – किसी बहुत बड़े या कठिन कार्य को पूरा कर लेना

60. गड़े मुर्दे उखाड़ना – पुरानी भूली हुई बातों या विवादों को दोबारा शुरू करना

61. गाल बजाना – डींग हाँकना या व्यर्थ की बकवास करना

62. गागर में सागर भरना – कम शब्दों में बहुत गहरी या बड़ी बात कह देना

63. गिरगिट की तरह रंग बदलना – अवसरवादी होना या अपनी बात से बार-बार बदलना

64. गुदड़ी का लाल होना – निर्धन परिवार में गुणी व्यक्ति का जन्म होना
65. गूलर का फूल होना – दुर्लभ होना या कभी दिखाई न देना
66. घड़ों पानी पड़ना – अत्यधिक लज्जित या शर्मिंदा होना
67. घी के दीए जलाना – अत्यधिक खुशियाँ मनाना (खुशहाली आना)
68. घाव पर नमक छिड़कना – दुःखी व्यक्ति को और अधिक दुःखी करना
69. घास खोदना – व्यर्थ में अपना समय नष्ट करना

70. चंपत होना – रफूचक्कर हो जाना या भाग जाना

71. चकित रह जाना – अत्यधिक आश्चर्य में पड़ जाना

72. चादर बाहर पैर पसारना – आय या आमदनी से अधिक खर्च करना

73. चार चाँद लगाना – किसी वस्तु या प्रतिष्ठा की शोभा को और बढ़ा देना

74. चोली-दामन का साथ होना – बहुत गहरा या अटूट संबंध होना

75. च्युड़ंगम चबाना / चबा चबा कर बात करना – बात को बहुत अधिक लंबा

खींचना

76. छाती पर मूंग दलना – पास रहकर दूसरों को लगातार कष्ट या दुःख देना
77. छाती पर सांप लोटना – ईर्ष्या या जलन से बुरी तरह तड़पना
78. छक्के छूटना – बुरी तरह पराजित होना या होश उड़ जाना
79. छप्पर फाड़कर देना – बिना किसी विशेष प्रयास के अचानक बहुत अधिक धन मिलना
80. छोटा मुँह बड़ी बात – अपनी योग्यता या उम्र से बढ़कर बड़ी बातें करना
81. जमीन पर पैर न पड़ना – अत्यधिक घमंड होना या अत्यधिक खुश होना

82. ज़हर का घूंट पीना – कड़वी और अपमानजनक बात को चुपचाप सह लेना
83. जान हथेली पर रखना – मृत्यु की परवाह न करते हुए भारी जोखिम उठाना
84. जान पर खेलना – बहुत बड़ा संकट मोल लेना
85. जी चुराना – किसी काम को करने से बचना या भागना
86. जी खट्टा होना – किसी बात या व्यवहार से मन में विरक्ति या अरुचि पैदा होना
87. जी जान से लगना – पूरी शक्ति और लगन के साथ काम में जुट जाना

88. जीभ का चटोरा होना – खाने-पीने का बहुत अधिक शौकीन होना

89. जूँ न रेंगना (कान पर) – बात का ज़रा सा भी असर न होना

90. जैसी रुह वैसे फरिश्ते – जैसे खुद होना वैसे ही साथी मिलना

91. जौहर दिखाना – अपनी वीरता, कला या योग्यता का प्रदर्शन करना

92. ठंडा पड़ना – जोश या उत्साह का पूरी तरह समाप्त हो जाना

93. टाँग अड़ाना – किसी के कार्य में व्यर्थ का विघ्न या बाधा डालना

94. टस से मस न होना – अपनी बात या जगह पर पूरी तरह अड़े रहना
95. टेढ़ी खीर होना – बहुत अधिक कठिन या दुसाध्य कार्य होना
96. टोपी उछालना – किसी का सरेआम अपमान या बेइज्जती करना
97. ठकुरसुहाती करना – केवल चापलूसी या खुशामद की बातें करना
98. ठिकाने लगाना – पूरी तरह समाप्त या नष्ट कर देना
99. डंका बजाना – प्रभाव या ख्याति स्थापित करना

100. ढाक के तीन पात – हमेशा एक जैसी स्थिति रहना (कोई सुधार न होना)

101. तिल का ताड़ बनाना – छोटी सी बात को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर कहना

102. तीतर-बीतर होना – बिखर जाना या चारों ओर भाग जाना

103. तिनके का सहारा होना – संकट में थोड़ी सी मदद मिलना

104. तोते की तरह आँखें फेरना – पुराने संबंधों को पूरी तरह भुला देना या

बेरुखी अपनाना

105. तेवर चढ़ना – बहुत अधिक क्रोधित होना

106. तोते उड़ जाना (हाथ के) – अचानक होश उड़ जाना या घबरा जाना

107. थूकर चाटना – अपनी ही कही हुई बात से मुकर जाना

108. थाली का बैंगन होना – सिद्धांतहीन होना या बार-बार पक्ष बदलना

109. दम तोड़ना – मर जाना या अंतिम साँस लेना

110. दाँत खट्टे करना – बुरी तरह पराजित करना (हरा देना)

111. दाँतों तले उँगली दबाना – अत्यधिक आश्चर्यचकित होना

112. दाईं से पेट छिपाना – जानकार व्यक्ति से ही किसी बात को छिपाने का प्रयास करना

113. दाल न गलना – युक्ति या चाल का सफल न होना (काम न बनना)

114. दिन दूनी रात चौगुनी होना – बहुत तेज़ी से तरक्की या उन्नति होना

115. दिक्कत में डालना – संकट पैदा करना

116. दीया तले अंधेरा होना — दूसरों को ज्ञान देने वाले के अपने घर या पास में ही दोष होना

117. दम दबाकर भागना — डरकर चुपचाप भाग जाना

118. दूध का दूध और पानी का पानी होना — पूरी तरह निष्पक्ष और सही न्याय होना

119. दो नावों पर पैर रखना — एक साथ दो विरोधी पक्षों या कार्यों में शामिल होना

120. धता बताना – चकमा देकर भाग जाना या साफ़ मना कर देना

121. धाक जमाना – अपना रोब या प्रभाव स्थापित करना

122. धूल चटाना – बुरी तरह हरा देना या परास्त करना

123. धूप में बाल सफेद करना – बिना किसी अनुभव के ही बूढ़ा होना

124. धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का – कहीं का न रहना (निकम्मा होना)

125. ध्यान में आना – समझ में आना या याद आना

126. नकेल हाथ में होना – पूरी तरह अपने नियंत्रण या वश में होना

127. नज़र चुराना – शर्म के मारे सामने न आना या कतराना

128. नब्ज पहचानना – किसी के स्वभाव या मन की बात को अच्छी तरह जान लेना

129. नमक-मिर्च लगाना – बात को बहुत अधिक बढ़ा-चढ़ाकर या मसालेदार

बनाकर कहना

130. नब्बे-निन्यानबे का फेर होना – धन कमाने या जोड़ने के चक्कर में पड़े रहना

131. नहले पर दहला मारना – मुँहतोड़ जवाब देना या किसी की चाल का करारा

जवाब देना

132. नाक का बाल होना – अत्यधिक प्रिय होना

133. नाक रगड़ना – दीनतापूर्वक विनती करना या माफ़ी माँगना

134. नाक कटना – प्रतिष्ठा या इज्जत नष्ट होना

135. नाकों चने चबाना – बहुत अधिक तंग करना या परेशान होना

136. नाड़ी देखना – दशा या स्थिति की जाँच करना

137. नाम कमाना – यश या ख्याति प्राप्त करना

138. नाम डुबोना – कुल या परिवार को कलंकित करना

139. नौ-दो ग्यारह होना – रफूचककर हो जाना या भाग जाना

140. नौ दिन चले अढ़ाई कोस – बहुत धीमी गति से कार्य करना

141. पगड़ी उछालना – सरेआम बेइज्जती या अपमान करना

142. पहाड़ टूट पड़ना – अचानक बहुत बड़ा भारी संकट आ जाना

143. पाँचों उँगलियाँ घी में होना – सब ओर से लाभ ही लाभ होना

144. पानी-पानी होना – अत्यधिक लज्जित या शर्मिदा होना

145. पानी पीकर कोसना – हर समय किसी का बुरा चाहना या बुराई करना

146. पापड़ बेलना – बहुत कठिन परिश्रम या संघर्ष का जीवन जीना

147. पासा पलटना – अचानक भाग्य या बाजी का बदल जाना

148. पीठ दिखाना – युद्ध के मैदान से भाग जाना (कायरता दिखाना)

149. पीठ थपथपाना – शाबाशी देना या सांत्वना देना

150. पेट में दाढ़ी होना – छोटी उम्र में ही बहुत अधिक चालाक या बुद्धिमान होना

151. फटेहाल होना – अत्यंत दरिद्र या दयनीय स्थिति में होना

152. फूंक-फूंककर पैर रखना – बहुत अधिक सोच-समझकर या सावधानी से काम करना

153. फूलकर कुप्पा होना – अत्यधिक प्रसन्न होना या घमंड से भर जाना

154. बगुला भगत होना – पाखंडी होना या ऊपर से साधु और भीतर से दुष्ट होना

155. बट्टा लगाना – कलंकित करना या प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाना

156. बन्दर घुड़की देना – केवल डराने के लिए झूठी धमकी देना (गीदड़ भभकी)

157. बसंत का कोकिल होना – अच्छे दिनों में साथ रहने वाला मौजी साथी

158. बाएँ हाथ का खेल होना – बहुत ही आसान या सरल कार्य होना

159. बाजी मारना – जीत जाना या आगे निकल जाना

160. बाल की खाल निकालना – व्यर्थ का बहुत बारीक दोष या मीन-मेख

निकालना

- 161. बाल-बाल बचना** – बहुत भयंकर संकट से बाल बराबर दूरी से सुरक्षित निकल जाना
- 162. बीड़ा उठाना** – किसी बहुत कठिन कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी या संकल्प लेना
- 163. बिल्ली के भागों छींका टूटना** – अचानक बिना किसी उम्मीद के भाग्यवश कोई मनचाही वस्तु मिलना
- 164. भद्र पुरुष होना** – सभ्य और सज्जन व्यक्ति होना
- 165. भनक पड़ना** – किसी गुप्त बात का थोड़ा सा आभास या कान में पड़ना

166. भसड़ मचना – भारी अव्यवस्था, शोर-शराबा या उपद्रव होना
167. भाड़ झोंकना – समय नष्ट करना या कोई फालतू का काम करना
168. भीगी बिल्ली बनना – डर के मारे बिल्कुल सहम जाना या नम्र बन जाना
169. भूत सवार होना – किसी बात की धुन या पागलपन सवार हो जाना
170. भेड़िया धसान होना – बिना सोचे-समझे अंधानुकरण करना (एक के पीछे सब भागना)

171. भैंस के आगे बीन बजाना – मूर्ख या बुद्धिहीन के सामने ज्ञान की बातें करना

पूरी तरह व्यर्थ होना

172. मखौल उड़ाना – खिल्ली उड़ाना या मज़ाक बनाना

173. मगरमच्छ के आँसू बहाना – दिखावे का झूठा दुःख या सहानुभूति प्रकट करना

174. मटियामेट करना – पूरी तरह से नष्ट-भ्रष्ट या बर्बाद कर देना

175. मन खट्टा होना – व्यवहार या बात के कारण मन में अरुचि या विरक्ति होना

176. मन के लड्डू खाना – केवल कल्पना करके ही खुश होते रहना (हवाई किले बनाना)

177. मरोड़ उठना – मन में ईर्ष्या या कसक पैदा होना

178. ममहित होना – दिल को बहुत गहरी चोट या दुःख पहुँचना

179. मला मल्ल होना – कड़ा मुकाबला होना

180. माथा ठनकना – अनिष्ट की आशंका होना या किसी गड़बड़ का शक होना

181. माथे पर बल पड़ना – असंतोष, चिंता या गुस्सा प्रकट होना

182. मान न मान मैं तेरा मेहमान – ज़बरदस्ती किसी के गले पड़ना

183. मियाँ की जूती मियाँ के सिर – किसी की चाल या साधन से उसी को मात देना

184. मिर्च लगना – कड़वी और सच्ची बात सुनकर बहुत बुरा लगना या चिढ़ना

185. मीन-मेख निकालना – व्यर्थ की कमियाँ या कमियाँ ढूँढ़ना

186. मुँह की खाना – बुरी तरह पराजित होना या मुँहतोड़ जवाब मिलना

187. मुँह धो रखना – किसी वस्तु की ऐसी आशा करना जो कभी पूरी न हो सके

188. मुँह में पानी आना – किसी स्वादिष्ट वस्तु को देखकर ललचा जाना

189. मुँह मोड़ना – वादे से मुकर जाना या प्रतिकूल हो जाना

190. मुट्ठी गर्म करना – रिश्वत (घूस) देना

191. मुट्ठी में होना – पूरी तरह अपने नियंत्रण या वश में होना

192. मुफ्त का चन्दन घिस मेरे नन्दन – पराई या मुफ्त की वस्तु का बेरहमी से इस्तेमाल करना

193. मुमूर्षु होना – मरणासन्न या बिल्कुल अंत के करीब होना

194. मुर्गे की एक ही टाँग होना – अपनी जिद पर अड़े रहना (गलत होने पर भी बात न बदलना)

195. मूल काटना – जड़ से समाप्त कर देना

196. मेढ़की को भी जुकाम होना – तुच्छ या अयोग्य व्यक्ति द्वारा नखरे दिखाना

या बड़ा बनने का ढोंग करना

197. मोम होना – कठोर हृदय का पिघल कर दयालु हो जाना

198. मोर का पंख लगना – अत्यधिक शोभा बढ़ जाना या प्रतिष्ठित होना

199. मौत को दावत देना – जान-बूझकर भारी संकट या जोखिम मोल लेना

200. म्याऊँ का ठौर पकड़ना – संकट के मुख्य कारण या बहुत जोखिम भरे

काम का सामना करना

201. यमलोक भेजना – जान से मार देना या मृत्युदंड देना

202. यश कमाना – ख्याति या नेकनामी प्राप्त करना

203. युग पलटना – पूरी तरह से समय या परिस्थिति का बदल जाना

204. युद्ध का नगाड़ा बजना – लड़ाई की शुरुआत होना या घोषणा होना

205. रंग उड़ जाना – अचानक घबरा जाना या डर के मारे चेहरे का भाव बदल

जाना

206. रंग में भंग पड़ना – खुशी या उत्सव के माहौल में अचानक कोई बाधा या विघ्न आ जाना

207. रफूचककर होना – पुलिस या संकट को देखकर तुरंत भाग जाना

208. राई का पहाड़ बनाना – छोटी सी बात को बहुत अधिक बढ़ा-चढ़ाकर कहना

209. रास्ता देखना – बहुत बेचैनी या प्रेम से किसी की प्रतीक्षा करना

210. रोंगटे खड़े होना – अत्यधिक आश्चर्य, डर या उत्साह से रोमांचित हो जाना

211. लकीर का फकीर होना – पुरानी रुढ़ियों, अंधविश्वासों या परंपराओं पर

ही चलते रहना

212. लल्लो-चप्पो करना – अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए अत्यधिक

चापलूसी या मीठी बातें करना

213. लहू का घूंट पीना – अपमान या गहरे गुस्से को चुपचाप सह लेना

214. लोहा मानना – किसी की श्रेष्ठता, वीरता या शक्ति को स्वीकार करना

215. लाल-पीला होना – अत्यधिक क्रोधित होना

216. विष उगलना – किसी के प्रति मन में भरी कड़वाहट, द्वेष या कटु वचन

बोलना

217. वादे का पक्का होना – अपनी बात का पूरी तरह निर्वह करना (सत्यवादी होना)

218. हवा से बातें करना – बहुत तेज़ गति से दौड़ना या चलना

219. हथियार डाल देना – हार स्वीकार कर लेना या पूरी तरह आत्मसमर्पण

करना

220. हथेली पर सरसों जमाना – बहुत कम समय में किसी असंभव कार्य को
करने की जिद करना

221. हवाई किले बनाना – बिना किसी ठोस आधार के केवल कल्पना की
ऊँची-ऊँची योजनाएँ बनाना

222. हाथ मलना – अवसर निकल जाने के बाद पछताना

223. हाथ साफ़ करना – किसी वस्तु की चोरी कर लेना या ठग लेना

224. हाथ धो बैठना – किसी प्रिय वस्तु को हमेशा के लिए खो देना

- 225. हाथ खींचना** – सहायता बंद कर देना या किसी काम से अलग हो जाना
- 226. हाथों-हाथ लेना** – बहुत अधिक उत्साह और आदर से स्वागत करना
- 227. हुक्का-पानी बंद करना** – समाज या बिरादरी से पूरी तरह बहिष्कृत कर देना
- 228. होश उड़ जाना** – अचानक लगे गहरे सदमे या डर से घबरा जाना
- 229. क्षमा की याचना करना** – दीनतापूर्वक माफ़ी माँगना
- 230. हतोत्साहित होना** – हिम्मत टूट जाना या निराशा से भर जाना

231. हृदय का पिघलना – दया या करुणा का भाव जागृत होना

232. हाथ पाँव फूलना – अत्यधिक डर या संकट के कारण घबरा जाना (बुद्धि काम न करना)

233. हँसते-हँसते प्राण देना – देश या कर्तव्य के लिए सहर्ष वीरगति को प्राप्त होना

234. क्षितिज को छूना – सफलता के सर्वोच्च शिखर पर पहुँचना

235. क्षणभंगुर होना – बहुत जल्दी नष्ट हो जाने वाली स्थिति होना

236. खून खोलना – अत्यधिक गुस्सा आना या जोश से भर जाना

237. घाव हरा होना – पुराना भूला हुआ दुःख या विवाद फिर से याद आ जाना

238. छाती तानकर खड़ा होना – निर्भीकता और साहस के साथ संकट का सामना करना

239. जलती आग में कूदना – जान-बूझकर भारी मुसीबत या जोखिम मोल लेना

240. ज़मीन-आसमान का अंतर होना – दो वस्तुओं या स्थितियों में बहुत भारी अंतर होना

241. तकदीर का ताला खुलना – अचानक भाग्य चमक जाना या अच्छे दिन आना

242. तिल-तिल कर मरना – बहुत तड़प-तड़प कर या धीरे-धीरे कष्ट झेलते हुए अंत
की ओर बढ़ना

243. तोते की तरह रटना – बिना अर्थ या भाव समझे किसी बात को केवल जुबानी
याद कर लेना

244. धूप में बाल सुखाना – बिना किसी व्यावहारिक अनुभव के ही जीवन बिता देना

245. नमक का हक अदा करना – जिसके यहाँ खाया हो उसके प्रति पूरी तरह वफादार रहना

246. पगड़ी रखना – अपनी इज्जत या सम्मान किसी के हाथों में सौंप देना या गिड़गिड़ाना

247. पत्थर की लकीर होना – अमिट होना या कही गई बात का शत-प्रतिशत पक्का होना

248. पापड़ बेलना – जीवन में बहुत अधिक संघर्ष या कठिन परिस्थितियों का सामना करना

249. पासा पलटना – अचानक बाजी या भाग्य का बिल्कुल उल्टा हो जाना

250. ज्ञान की आँखें खुलना – अज्ञानता दूर होना या वास्तविकता का सही बोध हो जाना

THANK
YOU